

दिनांक

आज्ञा पत्र


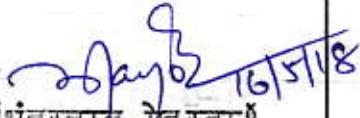
16/5/18

अपील दर्ज रजिस्टर हो । स्थगन प्रार्थना पत्र पर वकील अपीलान्ट को सुना गया । वकील अपीलान्ट ने निवेदन किया कि आराजी ख० नं० 582 रकबा 0.92 हैक्टर, ख० नं० 583 रकबा 0.77 हैक्टर, ख० नं० 584 रकबा 0.06 हैक्टर कुल किता-3 रकबा 1.75 हैक्टर वाके ग्राम कूदन तहसील धोद में अपीलान्ट 1/4 हिस्से का रेकार्ड काबिज खातेदार कारतकार है । इस भूमि में 1/4 हिस्सा हनुमान पुत्र नाथूराम का था जिससे उसका 1/4 हिस्सा अपीलान्ट ने कृय कर लिया । जिस पर काबिज कारत विक्रय दिनांक 11-9-2001 से काबिज चला आ रहा है । विवादित आराजी का खाता संयुक्त रूप से होने से रेस्पोंडेन्ट ने अपीलान्ट के कब्जा कारत की आराजी की सींव नींव तोडकर अपीलान्ट को नुकसान पहुंचाने तथा रेकार्ड एवं मौके की स्थिति को परिवर्तित करने पर आमादा है । जिसके लिये अदालत मातहत में दावा पेश कर प्रार्थना पत्र स्थगन पेश किया जिस पर अदालत मातहत ने विधि संगत आदेश पारित न कर केवल विवादित आराजी को प्रार्थी/अपीलान्ट के हिस्से तक की आराजी को विक्रय नहीं करने का आदेश दिया है जबकि अदालत मातहत को इस प्रकार के प्रार्थना पत्र में रेकार्ड एवं मौके की यथास्थिति का आदेश दिया जाना चाहिये था जैसा आरएलडब्लू 2011 § 1 § राज० पेज 69 में स्पष्ट किया है । अतः प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर रेस्पोंडेन्ट को पाबन्द किया जावे कि वह विवादित आराजी के रेकार्ड एवं मौके की यथास्थिति बनाये रखे ।

बहस बगौर समाहत की गई । पत्रावली का अवलोकन किया गया । अदालत मातहत ने अपने



Handwritten signature and some illegible text at the bottom left corner.

दिनांक	आज्ञा पत्र
	<p>निर्णय में विवादित आराजी में प्रार्थी के हिस्से तक विक्रय नहीं करने के लिये रेस्पॉडेन्ट को पाबन्द किया है। अदालत मातहत का आदेश अन्तरिम आदेश है। प्रार्थना पत्र का अदालत मातहत में निस्तारण किया जाना शोध है। अतः हम अपीलान्ट की अपील को इसी स्तर पर अदालत मातहत को रिमाण्ड किया जाना उचित मानते हैं।</p> <p>अतः उपरोक्त विवेचन के परिप्रेक्ष्य में अपील अपीलान्ट आंशिक रूप से स्वीकार कर प्रकरण अदालत मातहत को इस निर्देश के साथ रिमाण्ड किया जाता है कि वह प्रकरण में उभयपक्षों को सुनकर प्रार्थना पत्र का 30 दिन में अन्तिम रूप से निस्तारण करें। तक तक उभयपक्ष रेकार्ड एवं मौके की यथास्थिति बनाये रखें। उक्त आदेश 30 दिने तक ही प्रभावी रहेगा। पक्षकार अदालत मातहत में नियत पेशगी पर उपस्थित होंगे।</p> <p>निर्णय सुनाया गया।</p> <p style="text-align: right;">  अनुराग मेहरडा मून्सिब एवं पदेन राजस्व अपील प्राधिकारी तीकर </p>